करियर शीट · CAREER SHEET

Stone Cutter (Cutting Machine Operator)

स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर) पत्थर प्रसंस्करण उद्योग की रीढ़ होता है — वह बड़े कठोर पत्थर के ब्लॉक (मार्बल, ग्रेनाइट, सैंडस्टोन) को गैंग-सॉ, ब्लॉक कटर, वायर-सॉ और एज-कटिंग जैसी मशीनों पर स्लैब और टाइल के रूप में काटता है। वह...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6301

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर) पत्थर प्रसंस्करण उद्योग की रीढ़ होता है — वह बड़े कठोर पत्थर के ब्लॉक (मार्बल, ग्रेनाइट, सैंडस्टोन) को गैंग-सॉ, ब्लॉक कटर, वायर-सॉ और एज-कटिंग जैसी मशीनों पर स्लैब और टाइल के रूप में काटता है। वह मशीन की सेटिंग, ब्लेड/वायर की स्थिति और पानी की धार पर लगातार नज़र रखता है, माप (मेज़रमेंट) के अनुसार सटीक कटाई करता है और मशीन की छोटी-मोटी मरम्मत व रखरखाव भी संभालता है। राजस्थान के मकराना मार्बल, कोटा स्टोन और जोधपुर सैंडस्टोन जैसे विशाल पत्थर उद्योग तथा किशनगढ़ की एशिया की सबसे बड़ी मार्बल मंडी में इस काम की भारी माँग है। यह एक कुशल, हाथ-आँख समन्वय वाला काम है जो बढ़ते स्टोन-प्रोसेसिंग एवं निर्यात उद्योग में स्थिर रोज़गार देता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 3)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह
आरंभिक वेतन	₹12,000–16,000/माह
कार्य-शैली	पत्थर प्रसंस्करण इकाई/फैक्ट्री में पूर्णकालिक नौकरी

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- मशीनों और औज़ारों को चलाने व संभालने में रुचि
- पत्थर, मार्बल और ग्रेनाइट जैसी सामग्री के साथ हाथ से काम करना पसंद
- सटीक माप और आकार देने में रुचि

क्षमताएँ

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और मेहनती होना
- हाथों और आँखों में अच्छा समन्वय
- टीम में काम करने और सतर्क रहने की क्षमता

ज़रूरी कौशल

- गैंग-सॉ, ब्लॉक कटर, वायर-सॉ व एज-कटिंग मशीनों का संचालन
- सटीक माप, अंकन (मार्किंग) और स्लैब/टाइल की कटाई

- मशीन सेटिंग, ब्लेड/वायर व पानी की धार का समायोजन और निगरानी
- पत्थर के प्रकार, गुणवत्ता व नस (grain) की पहचान
- बर्बादी कम करना और उत्पादन का हिसाब रखना
- औज़ारों व मोटरों का बुनियादी रखरखाव और छोटी मरम्मत
- सुरक्षा उपकरण (मास्क, चश्मा, दस्ताने) का उपयोग और धूल से बचाव

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर) ट्रेड में एनएसक्यूएफ लेवल 3 कोर्स के लिए एनएसडीसी/जेएसएस/आईटीआई केंद्र में नामांकन करें।
3. मशीन संचालन, माप और सुरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण लें; राजस्थान में सीडीओएस जयपुर व आरएसएलडीसी केंद्रों की मदद लें।
4. किसी मार्बल/ग्रेनाइट प्रसंस्करण इकाई में हेल्पर के रूप में अनुभव लें।
5. अनुभव के साथ हेल्पर से कटिंग मशीन ऑपरेटर और आगे वरिष्ठ ऑपरेटर/पर्यवेक्षक तक बढ़ें।
6. पूँजी और अनुभव जुटाकर अपनी स्वयं की छोटी पत्थर प्रसंस्करण इकाई भी लगाई जा सकती है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS) — सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर, राजस्थान (https://cdos-india.com/)
- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- Bhartiya Skill Development University (BSDU) — जयपुर, राजस्थान (https://www.bsdu.in/)
- Construction Industry Development Council (CIDC) — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://www.cidc.in/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- एनएसडीसी – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — ऑनलाइन (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जेएसएस, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई) के तहत यह कोर्स मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के स्टोन-प्रोसेसिंग/मशीन-ऑपरेशन कोर्स की फीस लगभग ₹5,000–20,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

मार्बल, ग्रेनाइट और सैंडस्टोन प्रसंस्करण इकाइयाँ, टाइल एवं स्लैब बनाने वाली फैक्ट्रियाँ, किशनगढ़/मकराना/उदयपुर की स्टोन मंडियाँ, और निर्यात करने वाली स्टोन कंपनियाँ।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 6 दिन, रोज़ 8-9 घंटे काम होता है। काम फैक्ट्री/शेड में मशीनों के बीच होता है जहाँ शोर, पानी और पत्थर की धूल रहती है, इसलिए मास्क व सुरक्षा उपकरण ज़रूरी हैं। अनुभव के बाद अपनी इकाई लगाने की गुंजाइश हमेशा रहती है। इस क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए भी कुछ अवसर मौजूद हैं।

कौन नौकरी देता है

- किशनगढ़ की मार्बल एवं ग्रेनाइट प्रसंस्करण इकाइयाँ (एशिया की सबसे बड़ी मंडी)
- जोधपुर एवं कोटा के सैंडस्टोन तथा कोटा-स्टोन प्रसंस्करण उद्योग
- टाइल, स्लैब और क्यूबिकल-स्टोन बनाने वाली फैक्ट्रियाँ
- मकराना मार्बल और उदयपुर की स्टोन कंपनियाँ
- आर.के. मार्बल जैसे बड़े मार्बल/ग्रेनाइट समूह और निर्यातक
- स्टोन क्राफ्ट एवं कला-शिल्प (जैसे सिकंदरा) की निर्माण इकाइयाँ

माँग (2026)

राजस्थान भारत के मार्बल, ग्रेनाइट और सैंडस्टोन उत्पादन का सबसे बड़ा केंद्र है — मकराना मार्बल, कोटा स्टोन और जोधपुर सैंडस्टोन दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं, और किशनगढ़ एशिया की सबसे बड़ी डायमेंशनल स्टोन मंडी है जहाँ हर दिन करोड़ों का कारोबार होता है। घरों, मंदिरों, होटलों और निर्यात के लिए कटे हुए स्लैब-टाइल की लगातार माँग के कारण कुशल कटिंग मशीन ऑपरेटरों की ज़रूरत हमेशा बनी रहती है, जिससे यह राजस्थान में एक स्थिर और भरोसेमंद करियर है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. हेल्पर / ट्रेनी कटिंग मशीन ऑपरेटर
2. कटिंग मशीन ऑपरेटर (स्टोन)
3. वरिष्ठ ऑपरेटर / प्रक्रिया पर्यवेक्षक
4. यूनिट सुपरवाइज़र / स्वयं की पत्थर प्रसंस्करण इकाई

कमाई

शुरुआत	₹12,000–16,000/माह
मध्य स्तर	₹18,000–28,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹30,000–50,000+/माह

एनसीएस के अनुसार एक फ्रेशर स्टोन कटर की आय लगभग ₹10,000–15,000/माह, 1–2 साल के अनुभव पर ₹15,000–20,000/माह और उससे अधिक अनुभव पर ₹20,000–25,000/माह होती है। वेजइंडिकेटर (2026) के अनुसार अनुभवी स्टोन कटर/मशीन ऑपरेटर की आय बढ़कर ₹20,000–39,000/माह या उससे अधिक तक पहुँच सकती है। वरिष्ठ ऑपरेटर, यूनिट सुपरवाइज़र बनने या अपनी इकाई लगाने पर आय काफी बढ़ जाती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- राजस्थान के विशाल पत्थर उद्योग (मकराना, किशनगढ़, कोटा, जोधपुर) में भरपूर और स्थिर माँग
- कम पढ़ाई (8वीं) से भी शुरुआत, और अनुभव से अपनी इकाई लगाने का रास्ता
- कुशल हाथ का काम जिसमें अनुभव के साथ वेतन और सम्मान दोनों बढ़ते हैं

चुनौतियाँ

- पत्थर की महीन धूल (सिलिका) से सिलिकोसिस जैसी फेफड़ों की बीमारी का ख़तरा — मास्क व सुरक्षा ज़रूरी
- शोर, पानी, भारी ब्लॉक और घूमते ब्लेड/वायर के कारण चोट का जोखिम
- शारीरिक रूप से थका देने वाला काम और शुरुआती स्तर पर सीमित वेतन

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Ashok Patni
संस्थापक, आर.के. मार्बल एवं आर.के. ग्रुप, किशनगढ़ (राजस्थान)

किशनगढ़, राजस्थान में जन्मे अशोक पाटनी ने अपने करियर की शुरुआत एक साधारण अनाज व्यापारी के रूप में की थी। 1989 में उन्होंने मार्बल प्रसंस्करण में कदम रखा और 1993 में खनन में उतरे। उनकी मेहनत और आधुनिक सोच से आर.के. मार्बल दुनिया में मार्बल ब्लॉक का सबसे बड़ा उत्पादक बना और 1998 में गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। उनकी उद्यमिता के कारण किशनगढ़ आज एशिया की सबसे बड़ी डायमेंशनल स्टोन मंडी बन गया है, जहाँ हज़ारों स्टोन कटर और मशीन ऑपरेटरों को रोज़गार मिलता है। उनकी कहानी दिखाती है कि राजस्थान के पत्थर उद्योग में साधारण शुरुआत से भी बड़ा साम्राज्य खड़ा किया जा सकता है।

Centre for Development of Stones (CDOS) · https://cdos-india.com/ashok-patni/

Usha Rani Hooja
मूर्तिकार (पत्थर एवं संगमरमर शिल्प), जयपुर, राजस्थान

1959 में अपने परिवार के साथ जयपुर आईं ऊषा रानी हूजा ने अपना पूरा जीवन पत्थर को तराशने और आकार देने में लगा दिया। उन्होंने संगमरमर, पत्थर, कांस्य और अन्य माध्यमों में काम किया और जयपुर के पुलिस स्मारक सहित कई विशाल सार्वजनिक मूर्तियाँ गढ़ीं। उन्हें राजस्थान श्री पुरस्कार (1982) और राजस्थान ललित कला अकादमी फेलोशिप जैसे सम्मान मिले। ऐसे क्षेत्र में जिसे हमेशा 'पुरुषों का काम' माना जाता रहा, उन्होंने साबित किया कि महिलाएँ भी पत्थर और संगमरमर के साथ कुशल, सम्मानित करियर बना सकती हैं — यह उन सभी लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो स्टोन कटिंग व पत्थर शिल्प में आगे बढ़ना चाहती हैं।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Usha_Rani_Hooja

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – स्टोन कटर (कटिंग मशीन ऑपरेटर) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%9f%e0%a5%8b%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a4%9f%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%9f%e0%a4%bf%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%ae%e0%a4%b6%e0%a5%80%e0%a4%a8-%e0%a4%91%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a5%87/

2. सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS), जयपुर — https://cdos-india.com/

3. वेजइंडिकेटर – स्टोनमेसन/स्टोन कटर वेतन (2026) — https://wageindicator.org/en-in/work-in-india/role-and-pay/india-stonemasons-stone-cutters-splitters-and/

4. एनएसडीसी – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre

5. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in